

अध्याय – 02 | मेरे संग की औरतें (मृदुला गर्ग)

QUIZ-02

1. कथावाचक की माँ को रात-रात भर जागकर किसका अभ्यास करना पड़ता था?
- खाना पकाने का
 - खादी की साड़ी पहनने का
 - अंग्रेज़ी बोलने का
 - गांधीजी के सिद्धांत सुनने का

(B)

व्याख्या: माँ खादी की भारी साड़ी पहनने का अभ्यास करती थीं ताकि दिन में शर्मिंदगी न उठानी पड़े।

2. “हमारी बहू तो ऐसी है कि धोई, पोछी और छींके पर टाँग दी।” यह कथन किसने कहा था?
- नानी ने
 - दादी ने
 - नाना ने
 - बहन ने

(B)

व्याख्या: यह कथन दादी ने माँ को देखकर कहा था।

3. नाना की कौन-सी विशेषता ससुरालवालों को सबसे प्रभावशाली लगती थी?
- उनका गरीब होना
 - उनका साहबों जैसा रहन-सहन
 - उनका भारतीय पहनावा
 - उनका स्वतंत्रता सेनानी होना

(B)

व्याख्या: नाना का चेहरा-मोहरा और रहन-सहन अंग्रेज़ों जैसा था, जिससे लोग प्रभावित थे।

4. माँ को खादी की साड़ी कैसी लगती थी?
- बहुत हल्की
 - बहुत भारी
 - बहुत सुंदर
 - बहुत साधारण

(B)

व्याख्या: खादी की साड़ी माँ को इतनी भारी लगती थी कि कमर चनक उठती थी।

5. कथावाचक के अनुसार उनके कपता जी अंग्रेज़ों के प्रति कैसे थे?
- पूरी तरह नापसंद करते थे
 - अंग्रेज़ों के सबसे बड़े प्रशंसक थे
 - संबंध नहीं रखते थे
 - अंग्रेज़ी पहनावा अपनाने से इनकार करते थे

(B)

व्याख्या: कपता जी अंग्रेज़ों के सबसे बड़े प्रशंसक थे।

6. माँ की किन विशेषताओं को ‘परीजात’ के समान बताया गया है?
- रूप और धन
 - नाजुकता, ईमानदारी और निष्पक्षता
 - आधुनिकता और बुद्धिमत्ता
 - साहस और पराक्रम

(B)

व्याख्या: माँ की नाजुकता, ईमानदारी और निष्पक्षता उन्हें परीजात की तरह जादुई बना देती थी।

7. किस कारण माँ को ‘धोई-पोछी और छींके पर टाँग दी’ जैसी उपमा दी गई?

- उनकी कोमलता और नाजुकता के कारण
- उनके आधुनिक विचारों के कारण
- उनके साहसी स्वभाव के कारण
- उनके अध्ययनशील स्वभाव के कारण

(A)

व्याख्या: माँ इतनी नाजुक थीं कि दादी ने उन्हें यह उपमा दी।

8. कथावाचक की माँ को किस प्रकार का जीवन जीने के लिए विवश होना पड़ा?

- ऐश्वर्यपूर्ण जीवन
- सादा जीवन
- व्यवसायिक जीवन
- राजनीतिक जीवन

(B)

व्याख्या: माँ को सादा जीवन जीने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि वे गांधीजी के सिद्धांतों के चक्कर में थीं।

9. माँ की कौन-सी बात पर ससुरालवालों को गर्व था?

- उनकी शिक्षा
- उनकी नाजुकता और सुंदरता
- उनकी बोलचाल
- उनकी धन-दौलत

(B)

व्याख्या: माँ की सुंदरता और नाजुकता पर सबको गर्व था।

10. माँ से किस प्रकार की राय ली जाती थी?

- केवल घरेलू मामलों पर
- ठोस और हवाई हर प्रकार के काम पर
- राजनीतिक मुद्दों पर
- आर्थिक मामलों पर

(B)

व्याख्या: माँ से हर प्रकार के काम पर राय ली जाती थी और उसे पत्थर की लकीर की तरह माना जाता था।